उमाशंकर गुप्ता
मंत्री,
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास,
उच्च शिक्षा

ई-22/45 बंगले, टी. टी. नगर, भोपाल
दूरभाष :
निवास : 0755-2770120, 2551385
मंत्रालय : 0755-2441193
फैक्स : 0755-2770103
विधान सभा : 0755-2523151

क्रमांक .. संदेश /812...

दिनांक .. 28/09/2014.

संदेश

सम्मान्य प्राचार्यगण एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना से संबद्ध सम्मान्य प्राध्यापकगण,

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ–साथ जीविकोपार्जन हेतु तैयार करने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करने के उददेश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना विगत आठ वर्षों से संचालित की जा रही है। आपकी सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग से विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार प्राप्ति में यह योजना सहायक सिद्ध हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के समग्र विकास, रोजगार के पर्याप्त अवसर एवं प्रदेश के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी से माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान के स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने के संकल्प को साकार करने हेतु हम सब दृढ़ संकल्पित हैं। हमारे युवा प्रदेश एवं देश के सर्वांगीण विकास के आधार स्तम्भ बने इसके लिए 'शिक्षित युवा – आत्म निर्भर युवा' इस ध्येय को प्राप्त करने हेतु सतत् एवं समवेत प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

हमारे प्रदेश में रोजगार के अवसरों की कमी नही है तथा युवाओं के लिए तरक्की के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। आवश्यकता सिर्फ उन अवसरों को पहचानने एवं उनके अनुरुप युवाओं के कौशल को समृद्ध करने की है। भविष्य के ज्ञान आधारित समाज के लिए कौशल संपन्न मानव संसाधन तैयार करने तथा देश व प्रदेश के निर्माण के लिए युवाशक्ति की प्रतिभा निखारने एवं युवाओं को कॅरियर हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान करने की दिशा में सार्थक प्रयास शिक्षकों के पूर्ण समर्पण, तन्मयता एवं लगन से ही संभव हो सकता है। प्रत्येक युवा के समग्र व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहलू उसकी रोजगार मूलकता अथवा आय उपार्जन क्षमता भी है। अतः इस दिशा में समग्र मनोयोग एवं समर्पण भाव से कार्य करने हेतु मैं आपका आह्वान करता हूँ।

योजनान्तर्गत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु शासकीय महाविद्यालयों में कॅरियर केलेण्डर के अनुसार नियमित मासिक गतिविधियों का संचालन केवल सतही स्तर पर न हो बल्कि परिणाम एवं परिमाण आधारित मूल्यांकन की कसौटी पर स्वयं को साबित करने की चुनौती के रुप मे इसे स्वीकार करें। विद्यार्थियों की रोजगार मूलकता में वृध्दि करने एवं उनकी अभिरूचि एवं क्षमता के आधार पर व्यक्तित्व विकास तथा कम्प्यूटर के प्रारंभिक ज्ञान के साथ–साथ प्लेसमेंट तथा स्थानीय मांग के अनुरूप अल्पावधि रोजगारोन्मुखी

निरन्तर.....2

उमाशंकर गुप्ता
मंत्री,
तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास,
उच्च शिक्षा

ई-22/45 बंगले, टी. टी. नगर, भोपाल
दूरभाष : निवास : 0755-2770120, 2551385
मंत्रालय : 0755-2441193
फैक्स : 0755-2770103
विधान सभा : 0755-2523151

क्रमांक ..... दिनांक .....

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जावे। युवाओं में उद्यमिता का विकास करने हेतु क्षेत्र में संभावित स्वरोजगार अवसरों को चिन्हित कर लघु उद्यमियों/जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड एवं एम.एस.एम.ई. के साथ समन्वय एवं सहयोग से स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किये जाने को प्राथमिकता दी जावे। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं उन्हें बेहतर रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराने का हो।

इस शैक्षणिक सत्र में समस्त जिलों में एक–एक कॅरियर अवसर मेलों का आयोजन भी अनिवार्यतः किया जाना है। कॅरियर अवसर मेलों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक/व्यावसायिक जगत की माँग के अनुरूप न केवल तैयार करना है बल्कि उन्हें इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हुए असंगठित क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न रोजगार अवसरों से अवगत कराना भी है।

महाविद्यालय में संपन्न होने वाली गतिविधियॉं तथा प्लेसमेंट संबंधी सूचनाएं कक्षाओं में, नोटिस बोर्ड तथा फ्लेक्स के माध्यम से दी जावे तथा महाविद्यालय की वेबसाईट पर भी उपलब्ध कराई जाना सुनिश्चित किया जावे, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक जानकारियॉं पहुँच सके। यह भी आवश्यक है कि विद्यार्थियों के डेटाबेस संधारित कर, विद्यार्थियों को समय पर सूचना देने, उन्हें सूचना प्राप्त हुई अथवा नहीं– इसकी जानकारी रखने तथा सूचना उपरांत विद्यार्थी की अनुपस्थिति का कारण सहित रिकॉर्ड संधारित करने के कार्य को पूर्ण गंभीरता से किया जावे। महाविद्यालयों में प्लेसमेंट संबंधी कार्यक्रम योजनाबद्ध तरीके से आयोजित किये जाने पर ही वांछित परिणामों की उम्मीद की जा सकती है।

समस्त प्राचार्यो, कॅरियर प्रकोष्ठ प्रभारियों तथा प्लेसमेंट अधिकारियों का मैं पुनः आह्वान करता हूँ कि वे अपनी कर्तव्यपरायणता एवं दायित्वबोध से विद्यार्थियों एवं समाज में यह संदेश स्वतः प्रसारित होने दें कि महाविद्यालयों में क्लास रूम टीचिंग के साथ ही विद्यार्थी को बेहतर नागरिक बनाते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अभिप्रेरित किया जाता है।

हमने बहुत कुछ किया है, किन्तु अभी बहुत कुछ करना है। हर विद्यार्थी को भविष्य की सुनिश्चिता प्रदान कर उसके चेहरे पर मुस्कुराहट लाना है।

मेरा अटल विश्वास है, अगर आप ठान लें तो मुश्किल कुछ भी नहीं है, प्रदेश के युवाओ के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण, दिशा दर्शन तथा उनके सपनों को साकार करने में मन, वचन और कर्म से आप सभी अपनी जिम्मेदारी का सम्यक् निर्वहन करने हेतु तत्पर रहेंगे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(उमाशंकर गुप्ता)